मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

EHD–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)

ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) निसिदिन बरसत नैन हमारे।

सदा रहति पावस ऋतु हम पै, जब तें स्याम सिधारे।

दृग अंजन लागत नहिं कबहुँ, उर कपोल भए कारे।

कंचुकि नहिं सूखत सुनु सजनी, उर-बिच बहत पनारे।

'सूरदास' प्रभु अंबु बढ़्यौ है, गोकुल लेहु उबारे।

कहै लों कहौं स्यामघन सुंदर, बिकल होत अति भारे।

(ख) रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।

पानी गये न ऊबरे मोती मानुस चून॥

जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।

चंदन विष व्याप नहीं लपटे रहत भुजंग॥

(ग) छीनता हो स्वत्व कोई, और तू

त्याग तप से काम ले, यह पाप है।

पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे

बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो।

(घ) यह धरती है उस किसान की

जो मिट्टी का पूर्ण पारखी

जो मिट्टी के संग साथ ही

तप कर

गल कर

जी कर

मर कर

खपा रहा है जीवन अपना

देख रहा है जीवन अपना

देख रहा है मिट्टी में सोने का सपना।

(ङ) मैं रोज देखता हूँ कि व्यवस्था की मशीन का

एक पुर्जा गरम होकर

अलग छिटक गया है और

ठंडा होते ही

फिर कुर्सी से चिपक गया है

उसमें न हया है

न दया है।

2. प्रबंध काव्य की दृष्टि से 'कुरुक्षेत्र' का मूल्यांकन कीजिए। 16

3. निर्गुण और सगुण भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियों का तुलनात्मक विवेचन कीजिए। 16

4. कबीर काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 16

5. रीतिमुक्त काव्य के सन्दर्भ में घनानंद काव्य की विशेषताएँ बताइए। 16

6. नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए। 16

7. छायावादी काव्य की विशेषताएँ बताते हुए जयशंकर प्रसाद के काव्य का महत्त्व बताइए। 16

8. प्रयोगवाद और नयी कविता में अज्ञेय के योगदान की समीक्षा कीजिए। 16

9. भारतेंदुयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(क) अपभ्रंश काव्य

(ख) द्विवेदीयुगीन काव्य

(ग) नरेश मेहता की कविता

(घ) रीतिबद्ध काव्य

(ङ) नागार्जुन का काव्य

× × × × × × ×